HINDUSTAN PAGE 6

# प्रेमचंद, गालिब और दबीर पढ़ेंगे छात्र

- लखनऊ विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग के पाठ्यक्रम में बदलाव किया
- बोर्ड ऑफ स्टडीज और फैकल्टी बोर्ड की मंजूरी वैकल्पिक पेपर को

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में अब मुंशी प्रेमचंद की कहानियां और मिर्जा गालिब की नज्में, गजलें पढ़ाई जाएंगी। मिर्जा दबीर के मर्सिया लेखन के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। इसे वैकल्पिक पेपर के तौर पर शामिल किया गया है।

एलयू के उर्दू विभाग में संशोधित चार वर्षीय स्नातक अध्यादेश के तहत पाठ्यक्रम पुनर्गठन किया गया है। जिससे बीए छठे व सातवें सेमेस्टर में एक-एक प्रश्न पत्र को वैकल्पिक विषय के तौर पर शामिल किया गया है। उर्दू विभाग के समन्वयक डॉ. फाजिल अहसन हाशमी ने बताया कि बीए छठे व सातवें सेमेस्टर में एक-एक पेपर को वैकल्पिक विषय के तौर पर जोड़ा गया है। यह पेपर चार-चार क्रेडिट के होंगे। जिसे पाठ्यक्रम पुनर्गठन के तहत रखा गया है। बता दें कि इससे अब बीए चार वर्ष कार्यक्रम की रूपरेखा कुल 160 क्रेडिट की हो गई है।

### एक का चुनाव करना होगा विद्यार्थियों को

डॉ. हाशमी बताते हैं कि छठे सेमेस्टर में निबंध एवं अनुवाद, मीर अनीस और मिर्जा रूसवा को वैकल्पिक विषय के तौर पर जोड़ा है। छात्रों को एक को चुनना होगा। सातवें सेमेस्टर में मुंशी प्रेमचंद, मिर्जा गालिब और मिर्जा दबीर को वैकल्पिक विषय के रूप में रखा है।

### शायरों और कहानीकार से परिचित होंगे विद्यार्थी

उर्दू विभाग के समन्वयक का कहना है कि छात्र-छात्राओं को विधाओं की जानकारी प्राप्त होगी। शायरों और कहानीकार से परिचित होंगे। डॉ. हाशमी के अनुसार पेपर जोड़ने के प्रस्ताव को बोर्ड ऑफ स्टडीज और फैकल्टी बोर्ड की मंजूरी मिल गई है। नए सत्र से कक्षाएं संचालित होंगी।

### एलयू के 16 विद्यार्थियों का प्लेसमेंट हुआ

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 16 विद्यार्थियों का प्लेसमेंट हुआ है। निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल ने बताया कि एडुकॉन डिजिटल ने 16 छात्र-छात्राओं को ट्रेनिंग के लिए चयनित किया है। उन्होंने बताया कि ट्रेनिंग के दौरान विद्यार्थियों को 14 हजार रूपये दिया जाएगा। इसके बाद परफार्मेंस के आधार पर छात्रों को नियमित किया जाएगा।

AMRIT VICHAR PAGE 4

## लविवि में पढ़ाई के साथ मिला रोजगार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- सेंट्रल प्लेसमेंट के सहारे 16 छात्रों का हुआ चयन
- निजी कंपनियों में कार्यरत रहकर भी पढ़ाई पूरी कर सकेंगे छात्र-छात्राएं

**अमृत विचार :** लखनऊ विश्वविद्यालय की सेंट्रल प्लेसमेंट सेल द्वारा 16 छात्रों का चयन हुआ है। प्लेसमेंट सेल की निदेशक का कहना है कि सभी छात्र निजी कंपनियों में कार्यरत रहकर अपनी पढ़ाई भी पूरी कर सकेंगे।

प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रोफेसर मधुरिमा लाल बताती हैं कि विवि की प्लेसमेंट सेल लगातार निजी कंपनियों को आमंत्रित कर छात्रों को रोजगार के अवसर दिलाती रही है। इस बार पर एमबीए कर रहे छात्रों को आमंत्रित किया गया है। साक्षात्कार में कंपनियों के जिम्मेदार शामिल हुए। इसी के 16 छात्रों का चयन किया गया।

**इनका हुआ चयन :** आर्यन सिंह, आनंद पाल, अक्षत शाह, आयुषि सिंहा, अभिजीत शुक्ला, नैना तिवारी, अंकित यादव, सऊद मुजम्मिल, रानी सेठ, कुंवर वरुण प्रकाश, अंशू मिश्रा, राहुल अग्रवाल, सुनाक्षी वर्मा, आयुष यादव, अंजलि तिवारी, श्रिंखला गुप्ता का अलग-अलग निजी कंपनियों में चयन हुआ है।

TOI PAGE 2

# LU to ask govt to sanction new teaching posts in depts

TIMES NEWS NETWORK

**Lucknow:** Lucknow University (LU) will soon submit a proposal to the government requesting approval for new teaching positions in departments currently lacking sufficient government-sanctioned posts. This staff shortage hinders departments from achieving the ideal student-teacher ratio.

The University Grants Commission (UGC) mandates a minimum of seven faculty members per department, including one assistant professor, two associate professors, and four professors. However, approximately nine departments at LU fall short of this requirement due to a lack of authorised teaching positions.

"A committee has been established to determine faculty positions based on UGC standards, aiming to ensure a minimum of seven teachers in each department," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

# प्रेमचंद, अनीस व रुस्वा को पढ़ेंगे उर्दू स्नातक के विद्यार्थी

### लविवि : नई शिक्षा नीति के तहत पाठ्यक्रम में किया गया बदलाव

संवाद न्यूज एजेंसी

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग ने नई शिक्षा नीति के तहत तैयार किए गए नए सिलेबस में कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद को भी शामिल किया है। प्रेमचंद के साथ ही पाठ्यक्रम में मीर अनीस, मिर्जा हादी रुस्वा और दबीर भी एक-एक पेपर के रूप में पढ़ाए जाएंगे।

उर्दू विभाग के समन्वयक डॉ. फाजिल अहसन हाशमी के मुताबिक, प्रेमचंद को लोग हिंदी का लेखक मानते हैं, पर उनकी शुरुआती रचनाएं उर्दू में ही थीं। उनका असली नाम धनपत राय श्रीवास्तव था लेकिन वे नवाब राय के नाम से उर्दू में लिखा करते थे। उनका उर्दू में पहला उपन्यास था असरारे मआबिद और फिर उसके बाद हमखुर्मा व हमसवाब प्रकाशित हुआ। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उनकी रचना 'सोजे वतन' की तो अंग्रेजों ने जब्ती तक कर ली थी। इसके बाद ही उन्होंने प्रेमचंद के नाम से लिखना शुरू कर दिया था।

डॉ. फाजिल कहते हैं कि प्रेमचंद की रचनाओं को किसी एक भाषा में बांधना साहित्य के साथ ज्यादती होगी। इसीलिए उनको उर्दू के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। बोर्ड ऑफ स्टडीज के साथ ही सिलेबस फैकल्टी बोर्ड से भी पास हो गया है।

### चार क्रेडिट का होगा वैकल्पिक पेपर

- कोर्स में शामिल किए गए ये तीनों पेपर चार क्रेडिट के होंगे। इन्हें विद्यार्थी वैकल्पिक पेपर के तौर पर ही पढ़ेंगे। यह पेपर स्नातक तीसरे वर्ष के विद्यार्थी छठे सेमेस्टर में मीर अनीस और मिर्जा रुस्वा को पढ़ेंगे। वहीं स्नातक चौथे वर्ष के विद्यार्थी सातवें सेमेस्टर में मुंशी प्रेमचंद, मिर्जा गालिब और मिर्जा दबीर को पढ़ेंगे। सेमेस्टर प्रणाली से पहले से सभी संयुक्त रूप से पढ़ाए जाते थे। सेमेस्टर प्रणाली के लागू होने के बाद इन्हें हटा दिया गया था जो फिर से एक पेपर के तौर पर शामिल हो गए हैं।

### शोक काव्य के प्रतीक हैं- अनीस, रुस्वा और दबीर

- मिर्जा दबीर, मिर्जा हादी रुस्वा व मीर अनीस को मूलरूप से शोक काव्य का लेखक माना जाता है। इसमें भी प्रमुख है मर्शिया। वहीं प्रेमचंद के साहित्य में गरीब, गांव, शोषण और पीड़ा नजर आती है। जबकि मिर्जा गालिब प्रेम, गजल, कसीदा, रूबाई और कितआ के संयुक्त लेखक हैं।

### लविवि : 16 विद्यार्थियों को मिली नौकरी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 16 विद्यार्थियों को कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी मिली है। लविवि की सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल ने बताया कि ये विद्यार्थी एडुकॉन डिजिटल कंपनी में विभिन्न पदों पर सेवाएं देंगे। ट्रेनिंग के दौरान 14 हजार रुपये प्रतिमाह मिलेंगे। ट्रेनिंग के बाद तय पैकेज का भुगतान किया जाएगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी को शुभकामनाएं दीं। रोजगार पाने वाले छात्रों में आर्यन सिंह, आनंद पाल, आकांक्षा साह, आयुषी सिन्हा, अभिजीत शुक्ला, नैना तिवारी, अंकित यादव, मुजम्मिल खान, रानी सेठ, अंशू मिश्रा, राहुल अग्रवाल, सुनाक्षी वर्मा, आयुष यादव, अंजली तिवारी व शृंखला गुप्ता शामिल हैं। (संवाद)

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

## एलयू में एक बार फिर शानदार प्लेसमेंट

स्वतंत्र भारत संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय के संरक्षण में विश्वविद्यालय के सेंट्रल प्लेसमेंट सेल द्वारा किए जा रहे रिकॉर्ड ब्रेकिंग प्लेसमेंट के तारतम्य में एक बार फिर शानदार प्लेसमेंट हुए। इस बार एडुकॉन डिजिटल ने रिकॉर्ड ब्रेकिंग में 16 चयनित छात्रों की सूची जारी की है। कंपनी हर छात्र की जॉइनिंग तुरंत ही चाहती है। निदेशक सीपीसी प्रो.मधुरिमा लाल ने सभी चयनित छात्रों को जॉइन करने के लिए निर्देश जारी कर दिए है। चयनित छात्रों को को पहले 14000 रूपये की ट्रेनिंग पर रखा जाएगा। प्रो.मधुरिमा लाल ने बताया कि सीपीसी बड़ी तादात में प्लेसमेंट करा रहा है क्योंकि कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय की प्राथमिकताओं में छात्रों का गरिमायुक्त प्लेसमेंट सबसे पहले आता है। इसी कारण प्लेसमेंट्स को विशेष वरीयता दी जा रही है। प्रो.मधुरिमा लाल ने ये भी बताया कि प्लेसमेंट सेल हर ड्राइव के पहले अभ्यर्थियों की काउन्सलिंग उस कंपनी की आवश्यकतानुसार वे स्वयं करती है ताकि हर अभ्यर्थी साक्षात्कार के लिए पूरे विश्वास के साथ तैयार रहे। उसी कारण हमारे विश्वविद्यालय के अकड़े अद्भुत रूप से अद्वितीय है। प्रो.आलोक कुमार राय ने सभी सफल छात्रों की बधाई दी।

JAGRAN CITY PAGE III

## न्यूनतम 60 पेज में बनाना होगा माइनर प्रोजेक्ट

जासं● लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालयों के स्नातक छठे सेमेस्टर (एनईपी) के विद्यार्थियों को माइनर प्रोजेक्ट तैयार करना होगा। यह प्रोजेक्ट संबंधित कालेज के पूर्णकालिक शिक्षक के निर्देशन में बनाना है। इसका प्रमाण पत्र प्रोजेक्ट के साथ संलग्न किया जाएगा, जिसकी पुष्टि संबंधित संकायाध्यक्ष एवं महाविद्यालय के प्राचार्य करेंगे।

छठे सेमेस्टर एनईपी के प्रत्येक विद्यार्थी को माइनर प्रोजेक्ट रिपोर्ट अनिवार्य रूप से मेजर-1 विषय में तैयार करनी है। माइनर प्रोजेक्ट रिपोर्ट न्यूनतम 60 पेज की होनी चाहिए। इसे ए-4 आकार पर बनने के लिए कहा गया है। प्रोजेक्ट में चैप्टर वाइज पेज नंबर के साथ समय सारिणी संलग्न करना जरूरी है। इन अभिलेखों का रिकार्ड साफ्ट कापी में संबंधित विभाग, संकाय, महाविद्यालय में सुरक्षित रखा जाएगा, जिसे परीक्षा विभाग द्वारा मांगे जाने पर उपलब्ध कराना होगा।

## एलएलएम की परीक्षाएं एक से

जासं, लखनऊ : लवि ने एलएल.एम. (सीबीसीएस) दूसरे व चौथे सेमेस्टर की परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया। चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं एक से 11 मई तक और दूसरे सेमेस्टर की यह परीक्षाएं दो से 16 मई तक होंगी। इसका समय दोपहर दो से शाम पांच बजे तक रहेगा।